भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-45
उत्तर देने की तारीख-21/07/2025

केंद्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में शिक्षण पदों की रिक्तियां

45. श्री मुरारी लाल मीना:
श्री बाबू सिंह कुशवाहा:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्वविद्यालयों, आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विद्यालयों आदि जैसे केंद्र सरकार के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में रिक्त पड़े हजारों संकाय पदों का शैक्षिक और शोध कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है;
(ख) क्या सरकार ने केंद्रीय संस्थाओं में रिक्त संकाय पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान या प्रक्रिया में तेजी लाने हेतु कोई पहल की है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) गत तीन वर्षों के दौरान भरे गए संकाय पदों की संख्या का संस्थावार और राज्यवार ब्यौरा क्या है और वर्तमान में रिक्त पदों की संख्या कितनी है;ऽ
(ड.) क्या भविष्य में केंद्रीय शैक्षिक संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु संकाय भर्ती की प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी लाने हेतु कोई नई नीति या दिशानिर्देश जारी किए जाने की संभावना है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त उपाय कब तक किए जाने की संभावना है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (च): शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थान (सीएचईआई) संबंधित संसदीय केंद्रीय अधिनियमों के तहत स्थापित सांविधिक स्वायत्त संगठन हैं और उनके

अंतर्गत बनाए गए अधिनियमों/संविधि/अध्यादेशों/विनियमों के प्रावधानों द्वारा शासित होते हैं। स्वायत्त संस्थानों के रूप में, संकाय की भर्ती संस्थान के भीतर ही, उनके अधिनियमों और विनियमों के अनुसार की जाती है। भर्ती संबंधी शक्तियां संबंधित संचालक मंडल/कार्यकारी समिति/प्रबंधन बोर्ड के पास निहित हैं और मंत्रालय की इसमें कोई सक्रिय भूमिका नहीं है। रिक्तियों का होना और उनका भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। ये रिक्तियाँ पदोन्नति, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, मृत्यु, नए संस्थानों, योजनाओं या परियोजनाओं के खुलने, और मौजूदा संस्थानों में छात्रों की संख्या में वृद्धि और क्षमता विस्तार संबंधी अतिरिक्त आवश्यकताओं के कारण उत्पन्न होती हैं।

अगस्त, 2021 में, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सभी सीएचईआई से अनुरोध किया गया था कि वे अपने संस्थानों में लंबित रिक्तियों को मिशन मोड में भरने के लिए विशेष अभियान चलाएँ। सीएचईआई ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सहित सभी वर्गों के रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया। शिक्षा मंत्रालय ने भी सभी सीएचईआई को मिशन मोड में रिक्तियों को भरने के लिए प्रेरित किया था। सितंबर 2022 से, सभी सीएचईआई ने रिक्तियों को भरने के लिए मिशन मोड भर्ती अभियान चलाया है। दिनांक 12.07.2025 तक, अर्थात पिछले रोज़गार मेले की तिथि तक, सभी सीएचईआई और केंद्रीय विद्यालयों द्वारा शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों पदों पर मिशन मोड में कुल 41147 पद भरे जा चुके हैं।

गुणवत्ता वाले संकायों को आकर्षित करने के लिए उपाय किए गए हैं जिनमें वर्ष भर खुले विज्ञापन, खोज-सह-चयन प्रक्रियाओं के माध्यम से भर्ती, विशेष भर्ती अभियान, मिशन मोड भर्ती और पूर्व छात्रों / वैज्ञानिकों / संकाय को निमंत्रण आदि शामिल हैं। सीएचईआई द्वारा संकाय भर्ती प्रक्रिया बहु-चरणीय और सुदृढ़ स्क्रीनिंग प्रक्रिया के हिस्से के रूप में पारदर्शी तरीके से आवेदन आमंत्रित करके की जाती है। विभिन्न संस्थानों के अधिनियम और संविधियां चयन समितियों की संरचना, संकाय के विभिन्न स्तरों की भर्ती के लिए जिम्मेदार प्राधिकारियों, स्वतंत्र विषय विशेषज्ञों और विजिटर के नामांकित व्यक्तियों आदि का प्रावधान किया गया हैं ताकि भर्तियों में पारदर्शिता और अकादमिक कठोरता सुनिश्चित की जा सके। यूजीसी ने संकाय भर्ती के लिए एक सामान्य पोर्टल 'सीयू-चयन' लॉन्च किया है, जिसमें सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में रिक्तियों / विज्ञापनों / नौकरियों की सूची बनाने का प्रावधान है इस प्रकार संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुलभ हो जाती है।

*****